अध्याय I

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों का वित्तीय निष्पादन

1.1 प्रस्तावना

यह प्रतिवेदन सरकारी कम्पनियों, सांविधिक निगमों और सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों के वित्तीय निष्पादन प्रस्तुत करता है। शब्द केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसईज) में कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत गठित सरकारी स्वामित्व कम्पनियाँ और संसद की संविधियों के अन्तर्गत गठित सांविधिक निगम सम्मिलित हैं।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) में एक **सरकारी कम्पनी** की परिभाषा ऐसी कम्पनी के रूप में दी गयी है जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत केन्द्रीय सरकार, अथवा किसी राज्य सरकार या सरकारों या आंशिक रूप से केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा धारित हो और इसमें वह कम्पनी भी शामिल है जो सरकारी कम्पनी की सहायक हो।

> **सरकारी कम्पनियां**
>
> एक कम्पनी जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत केन्द्रीय सरकार, अथवा किसी एक या अधिक राज्य सरकारों या आंशिक रूप से केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा आंशिक रूप से राज्य सरकार(रों) द्वारा धारित हो और इसमें वह कम्पनी भी शामिल है जो सरकारी कम्पनी की सहायक हो।

सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) ने कहा (जनवरी 2017) कि डीपीई द्वारा प्रकाशित सर्वेक्षण के अनुसार, सांविधिक निगमों के अलावा सीपीएसईज़ वह सरकारी कम्पनियाँ है; जहाँ 50 प्रतिशत से अधिक शेयर केन्द्र सरकार द्वारा धारित हैं। इन कम्पनियों की सहायक कम्पनियों, यदि भारत में पंजीकृत हों, जहाँ पर कोई भी सीपीएसई जिसके पास

50 प्रतिशत से अधिक इक्विटी हो को भी सीपीएसईज़ तौर पर श्रेणीबद्ध किया जाता है। इसमें विभागीय तौर पर चालित सार्वजनिक उद्यम बैंकिंग संस्थान एवं बीमा कम्पनियाँ शामिल है। भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक (सीएजी) एंव डीपीई द्वार अंगीकृत परिभाषा में अंतर को देखते हुए, सीएजी एवं डीपीई द्वारा सीपीएसईज़ मानी गई कम्पनियों की संख्या में अंतर हो सकता है।

इसके अतिरिक्त केंद्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या सरकारों, या केंद्रीय सरकार द्वारा आशिंक रूप से और एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा आशिंक रूप से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व या नियंत्रण वाली किसी अन्य कंपनी[1] को इस रिपोर्ट में सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों के रूप में दर्शाया गया है।

1.1.1 अधिदेश

सरकारी कम्पनियों और सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों की लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) से 143(7) के प्रावधानों तथा उनके अंतर्गत बनाए गए विनियमों के अन्तर्गत सीएजी द्वारा की जाती है। कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत, सीएजी कम्पनियों के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों के रूप में सनदी लेखाकारों की नियुक्ति करता है और उस तरीके पर निर्देश देता है जिसके लेखों की लेखापरीक्षा की जाती है। इसके अतिरिक्त, सीएजी को अनुपूरक लेखापरीक्षा करने का अधिकार है। कुछ सांविधिक निगमों को अधिशासित करने वाली संविधियों में उनके लेखाओं की मात्र सीएजी द्वारा लेखापरीक्षा की अपेक्षा की गई है।

भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक तथा राष्ट्रीय आवास बैंक को अधिशासित करने वाले अधिनियमों में वे प्रावधान निहित हैं जिनके द्वारा केन्द्रीय सरकार इन संस्थानों के लेखाओं की जांच करने और उन पर

[1] कार्पोरेट अफेयर मंत्रालय -(कठिनाइयों का निवारण) सातवां आदेश 2014, दिनांक 4 सितम्बर 2014

रिपोर्ट करने के लिए किसी भी समय सीएजी को लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त कर सकती है। 2015-16 के दौरान ऐसी कोई नियुक्ति नहीं की गई थी।

1.1.2 इस प्रतिवेदन में क्या है

इस प्रतिवेदन में सरकारी कम्पनियों तथा निगमों के लेखाओं से प्रकट उनके वित्तीय निष्पादन की समग्र स्थिति को दर्शाया गया है।

लेखाओं के संशोधन तथा वर्ष 2015-16 (अथवा पिछले वर्षों के, जिन्हें चालू वर्ष के दौरान अन्तिम रूप दिया गया हो) के लिए सीएजी द्वारा की गई सीपीएसईज के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों, का प्रभाव इस प्रतिवेदन में दिया गया है। जहां सीएजी ही एकमात्र लेखापरीक्षक है, वहां इस प्रतिवेदन में सांविधिक निगमों के वित्तीय विवरणों पर सीएजी द्वारा जारी टिप्पणियों का प्रभाव भी निहित हैं।

यह प्रतिवेदन कॉरपोरेट अभिशासन पर कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों और भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड तथा सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों का सीपीएसईज द्वारा पालन, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पर कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का अनुपालन तथा भारत सरकार और महारत्न[2] सीपीएसईज के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के विश्लेषण का भी चित्र प्रस्तुत करता है।

लेखापरीक्षा रिपोर्ट के ड्राफ्ट अध्याय कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (अध्याय 3 - निगमित अभिशासन और 4 - निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) और सार्वजनिक उद्यम विभाग (अध्याय 2 - सीएजी की निरीक्षण भूमिका के अलावा सभी अध्याय) को जारी (5 दिसम्बर 2016) किए गए थे। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और सार्वजनिक उद्यम

---

[2] महारत्न सीपीएसईज वो सीपीएसईज है जो भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में ₹ 25,000 करोड़ से अधिक के औसत वार्षिक टर्नओवर, ₹ 15,000 करोड़ के औसत सकल मूल्य तथा पिछले तीन वर्षों में कर के बाद ₹ 5,000 करोड़ के औसत वार्षिक लाभ के साथ सूचीबद्ध है तथा जिनके पास वैश्विक मौजूदगी/अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन है। (स्रोत: http://pib.nic.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=107091)

मंत्रालय से प्राप्त उत्तर (जनवरी 2017) को उचित ढंग से लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित किया गया है।

1.1.3 सीपीएसईज तथा सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों की संख्या

31 मार्च 2016 को नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 607 सीपीएसईज थी। इनमें 410 सरकारी कंपनियां, छह सांविधिक निगम[3] तथा 191 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियां शामिल थी। इनमें से, 554 सीपीएसईज (384 सरकारी कम्पनियां एवं निगम तथा 170 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियां) का वित्तीय निष्पादन, इस प्रतिवेदन में कवर किया गया है। इस प्रतिवेदन के अंतर्गत कवरेज तथा इन सीपीएसईज की प्रवृत्ति निम्नलिखित तालिका 1.1 में दर्शाया गया है:

तालिका 1.1: प्रतिवेदन के अंतर्गत कवरेज़ तथा सीपीएसईज का स्वरूप

सीपीएसईज की प्रवृत्ति	कुल संख्या	प्रतिवेदन में कवर सीपीएसईज की संख्या				इस प्रतिवेदन में कवर नहीं की गई सीपीएसईज की संख्या
		2015-16 तक के लेखे	निम्न तक लेखें		कुल	
			2014-15	2013-14		
सरकारी कम्पनियां	410	341	27	10	378	32
सांविधिक निगम	6	5	1	0	6	0
कम्पनियों/निगमों की कुल संख्या	416	346	28	10	384	32
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियां	191	161	8	1	170	21
जोड़	**607**	**507**	**36**	**11**	**554**	**53**

[3] भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, केन्द्रीय वेयरहाऊसिंग कॉरपोरेशन, दामोदर घाटी कॉरपोरेशन, भारतीय खाद्य निगम, इनलैंड वाटरवेज अथारिटी ऑफ इंडिया तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ।

इस प्रति में कवर किए गए सीपीएसईज के वित्तीय निष्पादन का सार

(सरकारी कम्पनियां तथा सांविधिक निगम)

इस अध्याय में कवर सीपीएसईज	384
प्रदत्त पूंजी (384 सीपीएसईज)	₹3,94,881 करोड़
दीर्घावधि कर्जें (384 सीपीएसईज)	₹10,87,907 करोड़
बाजार पूंजीकरण (46 सूचीबद्ध सरकारी कंपनियां)	₹11,06,539करोड़
निवल लाभ (197 सीपीएसईज)	₹1,36,695 करोड़
निवल हानि (157 सीपीएसईज)	₹33,976 करोड़
घोषित लाभांश (106 सीपीएसईज)	₹71,887 करोड़
कुल परिसंपत्तियां (384 सीपीएसईज)	₹36,97,819करोड़
उत्पादन का मूल्य (384 सीपीएसईज)	₹16,29,359करोड़
निवल मूल्य (384 सीपीएसईज)	₹36,97,819 करोड़

सरकारी कम्पनियों/सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों, जो 2015-16 के दौरान सीएजी की लेखापरीक्षा के क्षेत्र के अंतर्गत आयी/ बाहर चली गई के विवरण **परिशिष्ट** I में दिए गए हैं।

इस रिपोर्ट में 53 सीपीएसईज (21 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों सहित) शामिल नहीं किये गये है, जिनके लेखे तीन वर्ष या अधिक के लिए बकाया में थे या निष्क्रिय/परिसमापन के अंतर्गत थे या पहले लेखे प्राप्त नहीं किए गए थे या बकाया नहीं थे। इन सीपीएसईज को दो सितारों (**) के द्वारा **परिशिष्ट II ए तथा परिशिष्ट बी** में दर्शाया गया है।

1.2 सरकारी कंपनियों एवं निगमों में निवेश

31 मार्च 2016 के अंत में 384[4] सरकारी कंपनियों तथा निगमों में इक्विटी निवेश और कर्ज की राशि निम्नलिखित तालिका 1.2 में दी गई है।

[4] 416 सीपीएसईज - 32 सीपीएसईज जिनके लेखे बकाया में थे।

तालिका 1.2: सरकारी कंपनियों और निगमों में इक्विटी निवेश तथा कर्जे

(₹ करोड़ में)

निवेश के स्त्रोत	31 मार्च 2016 को			31 मार्च 2015 को		
	इक्विटी	दीर्घावधि कर्जे	जोड़	इक्विटी	दीर्घावधि कर्जे	जोड़
1. केन्द्रीय सरकार	2,96,061	78,609	3,74,670	2,68,369	65,617	3,33,986
2. केन्द्रीय सरकार के स्वामित्व वाली कम्पनियां/निगम	44,413	16,640	61,053	41,801	15,267	57,068
3. राज्य सरकारों/राज्य सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियां तथा निगम	24,275	9,839	34,114	21,602	22,156	43,758
4. वित्तीय संस्थाएँ/अन्य	30,132	9,82,819	10,12,951	27,303	8,91,144	9,18,447
जोड़	**3,94,881**	**10,87,907**	14,82,788	**3,59,075**	**9,94,184**	13,53,259
कुल निवेश के प्रति केन्द्रीय सरकार के निवेश की प्रतिशतता	74.97	7.23	25.27	74.74	6.60	24.68

इक्विटी में निवेश तथा कर्जों के मंत्रालय/विभाग वार विवरण सीएजी वेबसाईट <www.cag.gov.in> पर उपलब्ध है।

1.2.1 इक्विटी में निवेश

1.2.1.1 इक्विटी सूचना

2015-16 के दौरान प्रतिवेदन में कवर की गई 384 सीपीएसईज की इक्विटी में निवेश में ₹35,806 करोड़ की निवल वृद्धि दर्ज हुई। इन 384 सीपीएसईज की इक्विटी में भारत सरकार के निवेश में 2015-16 में ₹ 27,692 करोड़ तक वृद्धि हुई। 31 मार्च 2016 में समाप्त तीन वर्षो के दौरान केंद्रीय सरकार तथा अन्य द्वारा सरकारी कंपनियों तथा निगमों में इक्विटी में निवेश चार्ट I में दर्शाया गया है।

चार्ट I: सरकारी कंपनियों तथा निगमों में इक्विटी में निवेश

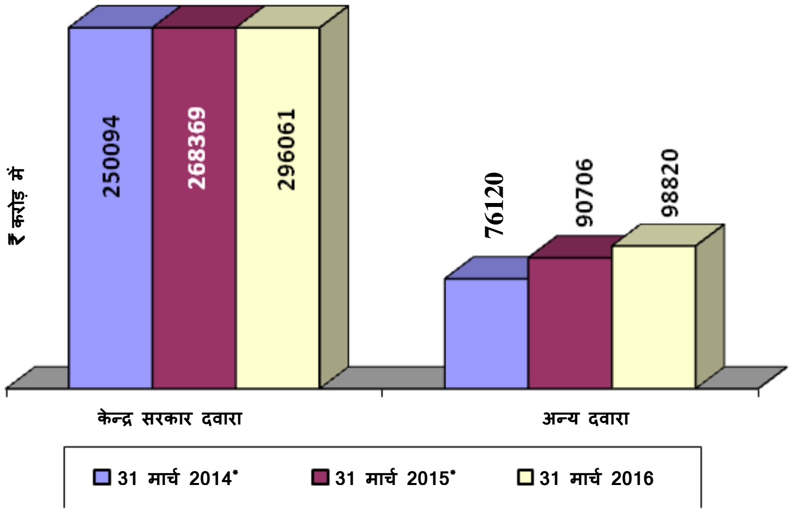

*(*पिछले वर्षों के आंकड़े 2015-16 के दौरान अद्यतित किए गए क्योंकि उस वर्ष के लिए लेखे प्राप्त हुए थे)*

सीपीएसईज की प्रदत्त पूंजी में 2015-16 के दौरान केंद्रीय सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश के ब्यौरे निम्नलिखित तालिका 1.3 में दिए गए हैं।

तालिका 1.3: केंद्रीय सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश (₹ करोड़ में)

सीपीएसईज का नाम	मंत्रालय का नाम	राशि
सांविधिक निगम		
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण	सड़क परिवहन तथा राजमार्ग	20,994
सरकारी कंपनियां		
इंडियन रेलवे फाईनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड	रेल	2,400
दिल्ली मैट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड	शहरी विकास	1,429
डेडिकेटेड फ्रेट कोरिडोर कॉरपोरेशन लिमिटेड	रेल	1,087

1.2.1.2 विनिवेश

वर्ष 2015-16 के दौरान, भारत सरकार ने विनिवेश पर ₹ 41,000 करोड़ की बजटीय प्राप्ति के प्रति ₹ 24,311[5] करोड़ की उगाही की। 2015-16 के दौरान सीपीएसईज वार विनिवेश लाभ तालिका 1.4 में दिया गया है।

[5] स्त्रोत: संघ सरकार, वित्तीय लेखा 2015-16

तालिका 1.4: विनिवेश लाभ की प्राप्ति - इक्विटी शेयर

(₹ करोड़ में)

	सीपीएसईज का नाम	विनिवेशित शेयरों की प्रतिशतता	सरकार द्वारा उगाही की गई राशि
1	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड	5.0	1,608.00
2	पावर फाईनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड	5.0	1,672.00
3	ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	5.0	53.00
4	इंडियन ऑयल कॉरपोरशन लिमिटेड	10.0	9,369.00
5	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	10.0	643.00
6	एनटीपीसी लिमिटेड	5.0	5,015.00
7	कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	5.0	1,155.00
8	भारत डायनैमिक्स लिमिटेड (शेयरों की वापसी खरीद)	15.0	199.00
9	हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (शेयरों की वापसी खरीद)	25.0	4284.00
	जोड़		**23,998.00**

इसके साथ-साथ, ₹ 313 करोड़ अभिमान शेयरों के शोधन से प्राप्त हुए थे, जैसा निम्नलिखित तालिका 1.5 में दिया गया है:

तालिका 1.5: अधिमान शेयरों के शोधन का विवरण

क्र.सं.	सीपीएसईज का नाम	राशि (₹ करोड़ में)
1	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	300.00
2	मेकोन लिमिटेड	13.00
	जोड़	**313.00**

1.2.2 सरकारी कंपनियों तथा निगमों को दिए गए ऋण

2015-16 के दौरान, सरकारी कंपनियों तथा निगमों के दीर्घावधि ऋणों ने ₹ 93,723 करोड़ की निवल वृद्धि दर्ज की। सरकारी कंपनियों तथा निगमों के बकाया दीर्घावधि ऋणों के वर्षवार ब्योंरो को चार्ट II में दर्शाया गया है।

चार्ट II: सरकारी कंपनियों तथा निगमों को दिए गए बकाया दीर्घावधि ऋण

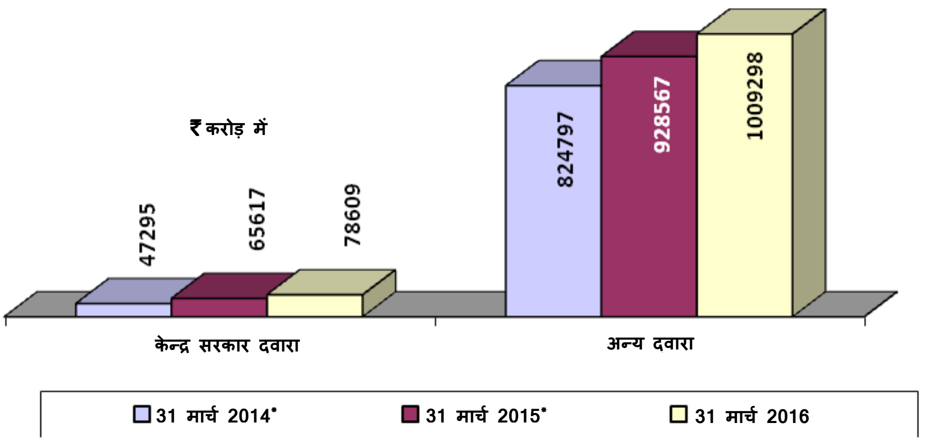

(*पिछले साल के आंकड़े 2015-16 के दौरान अद्‌यतन जब उस वर्ष के खाते प्राप्त हुए थे)

31 मार्च 2016 को सभी स्रोतों से 384 सीपीएसईज में बकाया कुल दीर्घावधि ऋण ₹ 10,87,907 करोड़ थे। 2015 16 के दौरान परिसंपत्तियों की धनात्मक तथा ऋणात्मक कवरेज की तुलना तालिका 1.6 में दी गई है।

तालिका 1.6: दीर्घावधि ऋणों के साथ कुल परिसंपत्तियों का कवरेज

	धनात्मक कवरेज				ऋणात्मक कवरेज			
	सीपीएसईज की सं.	दीर्घावधि ऋण	परिसंपतियां	ऋणों के प्रति परिसंपत्तियों की प्रतिशतता	सीपीएसईज की सं.	दीर्घावधि ऋण	परिसंपतियां	ऋणों के प्रति परिसंपत्तियों की प्रतिशतता
		(₹करोड़ में)				(₹करोड़ में)		
सांविधिक निगम	4	78,647	4,01,996	511.14	-	-	-	-
सूचीद्ध कंपनियां	29	6,37,276	16,76,904	263.14	4	4,568	496	10.86
असूचीबद्ध कंपनियां	113	3,54,838	8,75,149	246.63	18	12,578	1,036	8.24
कुल	**146**	**10,70,761**	**29,54,049**		**22**	**17,146**	**1,532**	

चार सूचीबद्ध कंपनियों सहित बाईस सीपीएसईज के पास उनकी कुल परिसंपत्तियों से अधिक ऋण थे। 216 सीपीएसईज (दो सांविधिक निगमों सहित) ऐसी थी जिनके पास कोई दीर्घावधि ऋण नहीं थे।

❖ ब्याज कवरेज अनुपात का प्रयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि एक कंपनी कितनी आसानी से बकाया ऋण पर ब्याज का भुगतान कर सकती हैं तथा इसकी गणना उसी अवधि के ब्याज के खर्चों को ब्याज तथा कर से पूर्व कंपनी की आय (ईबीआईटी) से भाग करके की जाती है। जितना कम अनुपात होगा, उतना ही अधिक कंपनी पर ऋण पर ब्याज का भार होता है। एक से नीचे कवरेज अनुपात दर्शाता है कि कंपनी ब्याज पर इसके खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व का सृजन नहीं कर रही है। 2013-14 से 2015-16 की अवधि के लिए धनात्मक तथा ऋणात्मक ब्याज कवरेज अनुपात का ब्यौरा तालिका 1.7 में दिया गया है:

तालिका 1.7: ब्याज कवरेज अनुपात

वर्ष	ब्याज (₹ करोड़ में)	ब्याज और कर से पूर्व आय (ईबीआईटी)	सीपीएसईजी की सं.[6]	1 से अधिक ब्याज कवर अनुपात वाली सीपीएसईज की सं.	1 से कम ब्याज कवर अनुपात वाली सीपीएसईज की संख्या
सांविधिक निगम					
2013-14	2,312	3,836	3	1	2
2014-15	10,971	12,223	4	2	2
2015-16	11,017	13,343	4	2	2
सूचीबद्ध सरकारी कंपनियां					
2013-14	43,904	1,27,865	32	22	10
2014-15	46,822	1,11,856	34	24	10
2015-16	52,213	1,23,463	33	23	10
असूचीबद्ध सरकारी कंपनियां					
2013-14	17,690	30,883	115	54	61
2014-15	18,869	34,836	126	58	68
2015-16	20,490	26,716	131	57	74

यह देखा गया था कि 2015-16 के दौरान सूचीबद्ध के साथ-साथ असूचीबद्ध सरकारी कंपनियों के मामले में एक से अधिक ब्याज कवरेज अनुपात वाली सीपीएसईज की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में मामूली रुप से घट गई थी।

[6] उन सीपीएसईज को छोड़कर जिनकी कोई देयता नहीं है।

1.2.3 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों में निवेश

केंद्र सरकार, राज्य सरकारों तथा उनके द्वारा नियंत्रित कंपनियों और निगमों द्वारा 170[7] सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों[8] में निवेशित पूंजी चार्ट III में दर्शाई गई है:

चार्ट III: सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों में शेयर पूंजी की संरचना

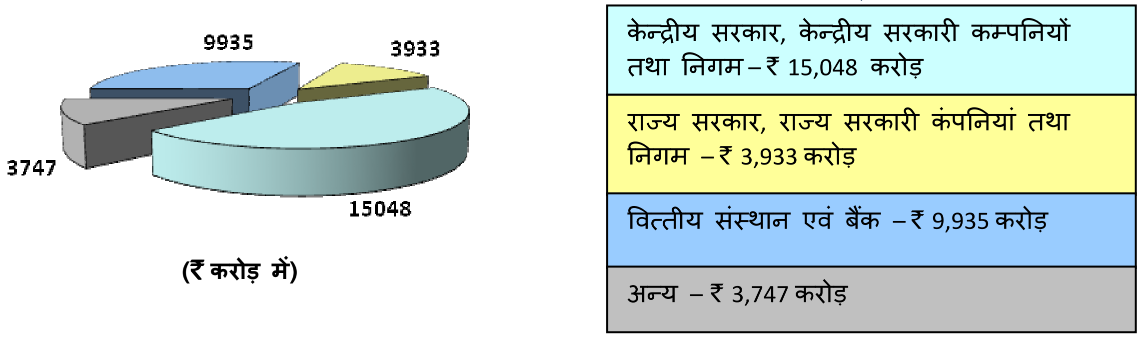

31 मार्च 2016 को इन सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों में इक्विटी ₹ 32,663 करोड़ थी। सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों में इक्विटी 2015-16 में ₹ 3,390 करोड़ तक बढ़ गई।

1.2.4 सरकारी कंपनियों में इक्विटी निवेश का बाजार पूंजीकरण

बाजार पूंजीकरण उन कंपनियों के शेयरों के बाजार मूल्य को प्रस्तुत करती है जिनके शेयर सूचीबद्ध है। 46 सरकारी कंपनियों, सरकारी कंपनियों की पाँच सहायक कंपनियां और आठ सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियां भारत में विभिन्न शेयर बाजार में सूचीबद्ध थी।

- 46 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों के संबंध में, 42 कम्पनियों के शेयरों की 2015-16 के दौरान ट्रेडिंग हुई थी[9] किया गया था। सरकारी कम्पनियों की पाँच सहायक कम्पनियों के संबंध में चार में व्यापार किया गया था और वर्ष के दौरान ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शेयरों का व्यापार नहीं किया गया था।
- 31 मार्च 2015 तक ₹ 13,27,781 करोड़ की तुलना में 46 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों (चार सहायक कम्पनियों सहित) में शेयरों का कुल बाजार मूल्य 31 मार्च

---

[7] 191-21 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियां जिनके लेखे बकाया में थे।

[8] कंपनीवार ब्यौरे सीएजी वेबसाईट www.cag.gov.in पर उपलब्ध है।

[9] वर्ष 2015-16 के दौरान हिंदुस्तान केबल्स लिमिटेड (2) हिन्दुस्तान फोटो फिल्म्स (मैनुफैनचरिंग) कम्पनी लिमिटेड (3) इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड और (4) केआईओसीएल लिमिटेड के शेयरों का व्यापार नहीं किया गया था।

2016 तक ₹ 11,06,539 करोड़ था। 31 मार्च 2015 की तुलना में, 31 मार्च 2016 तक शेयरों का कुल बाजारी मूल्य ₹ 2,21,242 करोड़ (16.70 *प्रतिशत)* तक घट गया था। 31 मार्च 2016 तक 42 सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियों (4 सहायक कम्पनियों को छोड़कर) के शेयरों का बाजार मूल्य ₹ 10,90,177 करोड़ था जिनमें से भारत सरकार द्वारा धारित शेयरों का बाजार मूल्य ₹ 7,48,881 करोड़ तक था।

- इस अवधि के दौरान, एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स[10] 27957.49 (31 मार्च 2015 को) से घटकर 25,341.86 (31 मार्च 2016 को) हो गया, जो 9.30 *प्रतिशत* घटौती दर्शाता है। एस एंड पी बीएसई-पीएसयू इन्डैक्स[11] 19.70 प्रतिशत तक घट गया (31 मार्च 2015 को 7,607.95 से 31 मार्च 2016 तक 6,106.65)।

- 31 मार्च 2016 तक 4 सहायक सरकारी कम्पनियों के शेयरों का बाज़ार मूल्य जिन, शेयरों की ट्रेडिंग 2015-16 के दौरान हुई थी, ₹16,362 करोड़ रहा था। 31 मार्च 2015 की तुलना में 31 मार्च 2016 तक चार सरकारी सहायक कम्पनियों में सरकारी कम्पनियों द्वारा धारित शेयरों का कुल बाजार मूल्य बढ़ कर ₹ 1,949 करोड़ तक हो गया था।

- 31 मार्च 2016 को अधिकतम बाजार पूंजीकरण वाली टॉप 10 सीपीएसईज़ तालिका 1.8 में दी गई हैं:

तालिका 1.8: उच्चतर बाजार पूंजीकरण वाले सीपीएसईज़ (₹ करोड़ में)

क्रम सं.	सीपीएसई का नाम	बाजार पूंजीकरण
1	कोल इण्डिया लिमिटेड	1,84,438
2	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	1,83,729
3	एनटीपीसी लिमिटेड	1,06,202
4	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	95,528
5	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	72,771
6	भारत पैट्रालियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	65,193
7	गेल (इण्डिया) लिमिटेड	45,202

[10] एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स की गणना मुख्य भागों में बड़े सुव्यवसस्थित और वित्तीय रूप से ठोस दर्शाते हुए 30 घटक स्टॉक दर्शाते हुए बाजार पूंजीकरण भारित तंत्र पर की जाती है।

[11] एस एंड पी बीएसई सीपीएसईज इन्डेक्स बीएसई में सूचित सीपीएसईज से निहित होती है।

8	एनएमडीसी लिमिटेड	38,834
9	भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	29,268
10	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	27,841

16 सीपीएसईज़ में बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई और अन्य 26 सीपीएसईज़ में कमी हुई। बाजार पूंजीकरण में ₹ 2,000 करोड़ से अधिक की वृद्धि वाले सीपीएसईज़ तालिका 1.9 में दिए गए हैः

तालिका 1.9: ₹ 2,000 करोड़ से अधिक के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि वाले सीपीएसईज़

क्रम. सं.	सीपीएसई का नाम	31 मार्च 2015 को बाजार पूंजीकरण	31 मार्च 2016 को बाजार पूंजीकरण	पूंजीकरण में अंतर
1	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	58,566	65,193	6,627
2	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	89,421	95,528	6,107
3	एनएचपीसी लिमिटेड	22,031	26,680	4,649
4	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	22,014	26,601	4,587
5	भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	26,778	29,268	2,490

1.3 सरकारी कम्पनियों और निगमों में निवेश पर प्रतिफल

1.3.1 सीपीएसईज़ द्वारा अर्जित लाभ

लाभ[12] कमाने वाली सीपीएसईज़ की संख्या 2014-15 में 198 की तुलना में 2015-16 के दौरान 197 थी। अर्जित लाभ 2014-15 में ₹ 1,36,591 करोड़ से 2015-16 में ₹ 1,36,695 करोड़ तक बढ़ गया था। 2013-14 से 2015-16 के दौरान लाभ कमाने वाली सीपीएसईज की संख्या चार्ट- IV में दर्शाई गई हैं:

[12] ब्याज और कर से पूर्व लाभ, लगाई गई पूंजी, कर पश्चात लाभ, लाभांश, निवल सम्पत्ति, निवल सम्पत्ति के प्रति कर-पश्चात लाभ का अनुपात, लगाई गई पूंजी के प्रति ब्याज और कर से पूर्व लाभ का अनुपात तथा इक्विटी के प्रति लाभांश को दर्शाने वाली 384 सरकारी कम्पनियों और निगमों का लाभकारिता विश्लेषण सीएजी वेबसाईट <www.cag.gov.in> पर उपलब्ध है।

चार्ट IV: लाभ अर्जित करने वाली सीपीएसईज़ की संख्या

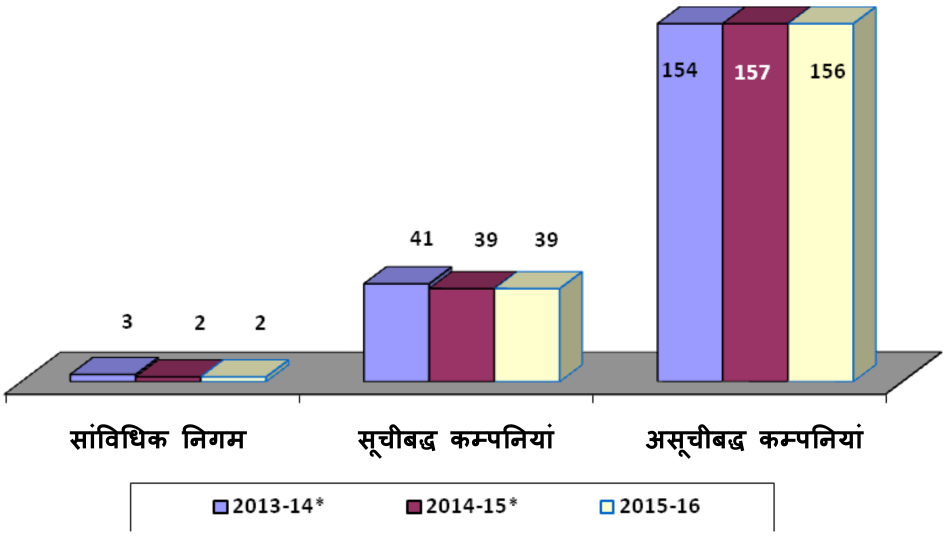

(*2015-16 के दौरान पिछले वर्षों के आंकड़ों को अद्यतित किया गया था जब उस वर्ष के लेखे प्राप्त हुए थे)

वर्ष 2015-16 के दौरान अधिकतम लाभ देने वाले क्षेत्रों का ब्यौरा नीचे तालिका 1.10 में सारांशीकृत किया गया है:

तालिका 1.10: वर्ष 2015-16 के दौरान अधिकतम लाभ देने वाले क्षेत्र

क्षेत्र	लाभ कमाने वाले सीपीएसईज़ की संख्या	अर्जित निवल लाभ (₹ करोड़ में)	कुल सीपीएसई लाभ के प्रति की प्रतिशतता
1. पेट्रोलियम			
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	8	44,245	32.37
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	4	1,343	0.98
जोड़	12	45,588	33.35
2. कोयला एवं लिग्नाईट			
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	2	17,548	12.84
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	6	11,339	8.30
जोड़	8	28,887	21.14
3. विद्युत			
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	4	20,118	14.72
असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां	23	4,844	3.54
जोड़	27	24,962	18.26
जोड़ (1) से (3)	**47**	**99,437**	**72.75**

2014-15 के दौरान 48 सीपीएसईज़ द्वारा 66.00 *प्रतिशत* योगदान की तुलना में इन तीन क्षेत्रों में 47 सीपीएसईज़ द्वारा योगदान 2015-16 के दौरान, कुल लाभ का 72.75 *प्रतिशत* वाले ₹ 99,437 करोड़ के निवल लाभ किया गया था।

निम्नलिखित सीपीएसईज़ की सूची है जिन्होंने वर्ष 2015-16 के दौरान ₹ 5,000 करोड़ से अधिक का लाभ अर्जित किया था तालिका 1.11 में दिया गया है:

तालिका 1.11: ₹ 5,000 करोड़ से अधिक लाभ वाले सीपीएसईज़ की सूची

क्रम. सं.	सीपीएसई का नाम	निवल लाभ (₹ करोड़ में)
1	कोल इंडिया लिमिटेड	16,344
2	ऑयल एण्ड नैचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	16,004
3	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	10,399
4	एनटीपीसी लिमिटेड	10,243
5	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	7,432
6	पावर फाइनैंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	6,113
7	पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	6,027
8	रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	5,628
जोड़		**78,190**

यह देखा जा सकता है कि इन आठ सीपीएसईज़ ने 2015-16 के दौरान 197 सीपीएसईज़ द्वारा कुल अर्जित लाभ का 57.00 *प्रतिशत* का योगदान किया।

1.3.2 सीपीएसईज़ द्वारा लाभांश भुगतान

अर्जित लाभ और घोषित लाभांश का विवरण तालिका 1.12 में दिया गया है:

तालिका 1.12: अर्जित लाभ और लाभांश भुगतान

(₹ करोड़ में)

श्रेणी	सीपीएसई द्वारा घोषित लाभांश			
	सीपीएसईज़ की संख्या	प्रदत्त पूंजी	निवल लाभ	घोषित लाभांश
सांविधिक निगम	2	725	2,735	821
सूचीबद्ध कंपनियां	32	53,719	1,00,326	49,389
असूचीबद्ध कंपनियां	72	41,989	29,054	21,677
कुल	**106**	**96,433**	**1,32,115**	**71,887**

2015-16 में लाभांश की घोषणा करने वाले 106 सीपीएसईज़ थे। इन सीपीएसईज़ द्वारा अर्जित निवल लाभ की प्रतिशतता के रूप में घोषित लाभांश 2014-15 में 44.30 *प्रतिशत* से बढ़ कर 2015-16 में 54.40 *प्रतिशत* हो गया, जिसे चार्ट V में दर्शाया गया है। कुल मिलाकर, सीपीएसईज़ द्वारा 2015-16 में घोषित लाभांश पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 14,139 करोड़ तक बढ़ गया।

चार्ट V: निवल लाभ और प्रदत्त पूँजी की तुलना में घोषित लाभांश

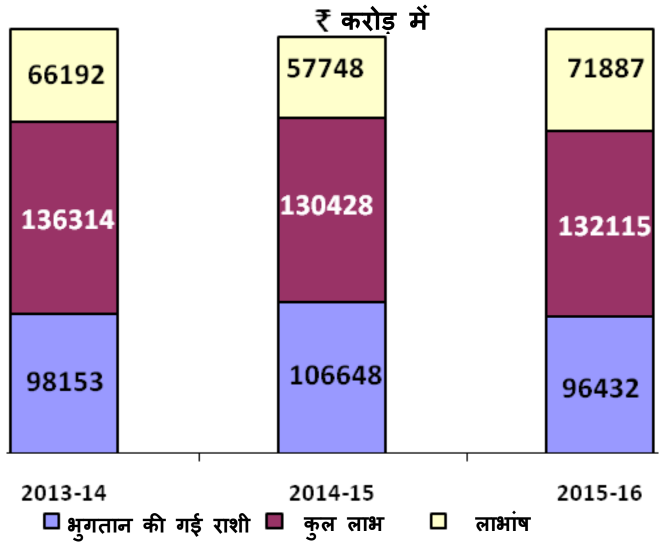

चालू वर्ष में 106 सीपीएसईज़ द्वारा घोषित ₹ 71,887 करोड़ के कुल लाभांश में से, भारत सरकार द्वारा प्राप्त/प्राप्य लाभांश ₹ 41,185 करोड़ था। 2014-15 के दौरान 12.72 *प्रतिशत* की तुलना में 384 सीपीएसईज़ की इक्विटी पूंजी में भारत सरकार द्वारा किए गए ₹ 2,96,061 करोड़ के कुल निवेश पर प्रतिफल 13.91 *प्रतिशत* था। इसी प्रकार 34 सीपीएसईज़ ने अन्य सीपीएसईज़ की इक्विटी धारण में ₹ 6,609 करोड़ की दी गई पूंजी पर लाभांश के रूप में ₹ 18,438 करोड़ प्राप्त किए।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन 13 सरकारी कम्पनियों ने ₹ 16,570 करोड़ का लाभांश घोषित किया जो 2015-16 में विभिन्न कम्पनियों द्वारा घोषित ₹ 71,887 करोड़ के कुल लाभांश का 23.05 *प्रतिशत* था।

मई 2016 में वित्त मंत्रालय (निवेश एवं सार्वजनिक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग) द्वारा जारी दिशानिर्देशों में यह परिकल्पित था कि प्रत्येक सीपीएसईज़, वर्तमान कानूनी प्रावधानों के तहत अधिकतम अनुमत लाभांश के अधीन, कर के पश्चात् लाभ के 30 प्रतिशत का वार्षिक लाभांश या निवल मूल्य का पाँच प्रतिशत जो अधिक हो का भुगतान करेगी। तथापि, 37 कम्पनियॉ जिन्होंनें लाभांश घोषित किया था[13] (सूचीबद्ध कम्पनियों सहित) ने जैसा कि ***परिशिष्ट III*** में दिया गया है सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम लाभांश कम घोषित किया यद्यपि उन्होंने लाभ अर्जित किया था। इसके कारण 2015-16 में कुल कमी ₹ 9,011 करोड़ थी।

2015-16 के दौरान दो[14] सीपीएसईज ने ₹ 99.75 करोड़ का लाभांश घोषित किया जबकि वर्ष के दौरान उन्हें ₹ 922.34 करोड़ की हानि हुई थी।

1.3.3 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों में निवेश पर प्रतिफल

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के दौरान 170[15] सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों में से, 111 कम्पनियों ने ₹ 5,719 करोड़ का लाभ कमाया। इन 111 कम्पनियों में से, 45 ने ₹ 1,036 करोड़ का लाभांश घोषित किया जो उनकी ₹ 8,766 करोड़ की कुल प्रदत्त पूंजी का 11.80 *प्रतिशत* का द्योतक था। तथापि 2015-16 के दौरान 42 कम्पनियों को ₹ 2,516 करोड़ की हानि हुई। शेष 17 कम्पनियों ने अपने लेखों को अंतिम रूप नहीं दिया या वाणिज्यिक प्रचालन प्रारम्भ नहीं किए थे। एक सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनी[16] ने 5 करोड़ का लाभांश घोषित किया यद्यपि इसे ₹ 22 करोड़ की हानि हुई थी।

46 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों जिन्होंने 2015-16 के दौरान लाभांश घोषित किया था, नीचे तालिका 1.13 में दिया गया हैः

---

13 लाभांश में कमी की गणना हेतु, केवल उन सीपीएसईज को लिया गया था जिन्होंन वर्ष के दौरान लाभांश घोषित किया था।

14 भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड एवं प्रोजेक्टस एंड डेवलेपमेंट इंडिया लिमिटेड

15 191-21 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियां जिनकें खाते बकाया में थे।

16 कैनबैंक फाइनेनशियल सर्विसेस लिमिटेड

तालिका 1.13: सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियों द्वारा घोषित लाभांश

(₹ करोड़ में)

क्षेत्र	कम्पनियों की सं.	प्रदत्त पूंजी	निवल लाभ	लाभांश
वित्तीय सेवाऍं	29	5672	2156	716
विद्युत	3	1592	324	151
बीमा	1	1000	861	120
परिवहन सेवाएं	1	164	38	30
पेट्रोलियम	1	60	33	8
ठेका एवं निर्माण सेवाएं	1	250	269	6
व्यापार एवं विपणन	1	41	11	4
औद्योगिक विकास एवं तकनीकी परामर्श	8	16	19	4
खनिज एवं धातु	1	1	11	2
कुल	**46**	**8796**	**3722**	**1041**

1.4 घाटा उठाने वाली सीपीएसईज़

157 सीपीएसईज़ को वर्ष 2015-16 के दौरान घाटा हुआ था। इन सीपीएसईज़ द्वारा उठाये गये घाटे में 2014-15 के दौरान ₹ 29,659 करोड़ से 2015-16 में ₹ 33,976 करोड़ तक की काफी वृद्धि हुई जिसका तालिका 1.14 में विवरण दिया गया है।

तालिका 1.14: वर्ष के दौरान हानियां उठाने वाली सीपीएसईज की संख्या

सूचीबद्ध/असूचीबद्ध वर्ष	हानि उठाने वाली सीपीएसईज की संख्या	वर्ष के लिए निवल हानि	संचित हानि	निवल सम्पत्ति[17]
		(₹ करोड़ में)		
सांविधिक निगम				
2013-14	1	-995	0	14,863
2014-15	1	-1,334	0	13,944
2015-16	1	-1,143	0	13,268
सूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां				
2013-14	10	-4,574	21,245	-5,606
2014-15	11	-7,908	18,919	-5,607
2015-16	11	-10,836	22,856	83,172

[17] निवल मूल्य का अर्थ है प्रदत्त शेयर पूंजी तथा नि:शुल्क आरक्षित निधि तथा बेशी रहित संचित हानि तथा आस्थगित राजस्व व्यय का कुल जोड। नि:शुल्क आरक्षित निधि का अर्थ है लाभों तथा शेयर प्रीमियम लेखा में से सृजित सभी राजस्व परन्तु परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन तथा मूल्यह्रास प्रावधान के प्रतिवेदन में से सृजित राजस्व को शामिल नहीं किया गया है।

असूचीबद्ध सरकारी कम्पनियां/ निगम				
2013-14	104	-17,138	64,763	47,885
2014-15	120	-20,417	74,505	48,967
2015-16	145	-21,997	80,642	92,810
जोड़				
2013-14	**115**	**-22,707**	**86,008**	**57,142**
2014-15	**132**	**-29,659**	**93,424**	**57,304**
2015-16	**157**	**-33,976**	**1,03,498**	**1,89,250**

वर्ष 2015-16[18] के दौरान सीपीएसईज जिन्होंने ₹ 1,000 करोड़ से अधिक की हानि वहन की तालिका 1.15 में दी गई है।

तालिका 1.15: ₹ 1,000 करोड़ से अधिक की हानि उठाने वाली सीपीएसईज

क्रम सं.	कम्पनी का नाम	2014-15 में निवल हानि (₹ करोड़ में)
1	स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	4,137
2	भारत संचार निगम लिमिटेड	3,880
3	हिन्दुस्तान फोटोफिल्मस (मैन्यूफैक्चरिंग) कम्पनी लिमिटेड	2,528
4	महानगर टेलिफोन निगम लिमिटेड	2,322
5	ओएनजीसी इस्पात निगम लिमिटेड	2,059
6	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	1,421
7	दामोदर वैली कार्पोरेशन	1,143
8	पीईसी लिमिटेड	1,142

1.4.1 सरकारी कम्पनियों में पूंजी क्षरण

31 मार्च 2016 तक 174 सीपीएसईज थीं, जिनकी संचित हानि 1,22,934 करोड़ थी। वर्ष 2015-16 के दौरान 174 सीपीएसईज में से 133 सीपीएसईज ने 18,561 करोड़ की राशि की हानि वहन की तथा वतर्मान वर्ष 2015-16 में 41 सीपीएसईज ने हानि नहीं उठाई थी यद्यपि उन्हें 19,436 करोड़ की संचित हानि हुई थी।

67 सरकारी कम्पनियों (174 में से) की निवल सम्पत्ति संचित हानि द्वारा पूरी तरह क्षरित की गई थी और उनकी निवल संपत्ति नकारात्मक थी। इन 67 कम्पनियों की निवल संपत्ति 31 मार्च 2016 को 28,053 करोड़ इक्विटी निवेश के प्रति ₹ (-) 79,227 करोड़ थी। इसमें छ: सूचीबद्ध कम्पनियां शामिल हैं जिनकी निवल संपत्ति

[18] एयर इंडिया के 2015-16 के खाते अक्टूबर 2016 में प्राप्त हुए थे, अत: उन्हें रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है। 2014-15 के दौरान ₹ 5860 करोड़ की हानि के प्रति 2015-16 में ₹ 3837 करोड़ थी।

₹ 1,792 करोड़ के इक्विटी निवेश के प्रति ₹ (-) 27,037 करोड़ थी। 67 सीपीएसईज जिनकी पूंजी क्षरित हुई थी, में से केवल छ: सीपीएसईज ने 2015-16 के दौरान ₹ 456.62 करोड़ का लाभ प्राप्त किया था।

67 सीपीएसईज में से 24, जिनकी पूंजी क्षरित हुई थी, की बकाया सरकारी ऋण की राशि 31 मार्च 2016 को 17,522 करोड़ थी। इसमें ₹ 4,559 करोड़ के बकाया सरकारी ऋण वाली पॉच सूचीबद्ध कम्पनियां शामिल है। संभावित रूग्णता दर्शाते हुए 341 सीपीएसईज, जिनकी निवल संपत्ति सकारात्मक थी, में से 30 सीपीएसईज की निवल संपत्ति 31 मार्च 2016 के अंत में उनकी प्रदत्त पूंजी ₹ 15,627 करोड़ के आधे से कम थी।

1.5 सरकारी कम्पनियों की प्रचालन दक्षता

1.5.1 उत्पादन का मूल्य

तीन वर्ष की अवधि के दौरान 384 सीपीएसईज़ में उत्पादन का मूल्य, कुल परिसम्पत्तियों तथा लगाई गई पूंजी को दर्शाने वाला सार चार्ट VI में दिया गया है:

चार्ट : VI

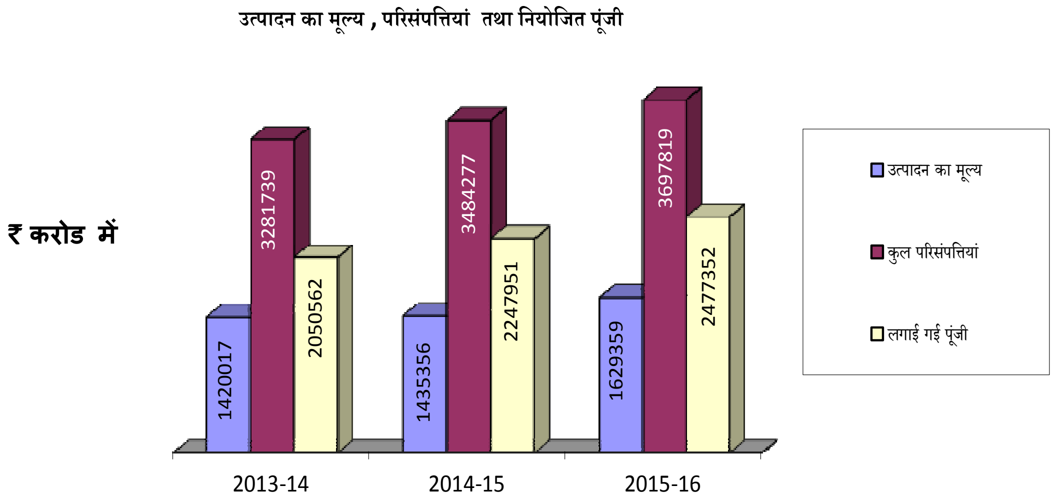

पिछले वर्ष की तुलना में 2015-16 में उत्पादन के मूल्य, कुल परिसम्पत्ति तथा नियोजित पूंजी में वृद्धि हुई थी।

1.5.2 बिक्री एवं विपणन

2015-16 के दौरान, 384 सीपीएसईज की कुल बिक्री ₹ 18,24,202 करोड़ थी। इनमें से 118 सीपीएसईज ने सरकारी क्षेत्रों को उनकी ₹ 8,99,514 करोड़ की निवल बिक्री के प्रति ₹ 2,17,301 करोड़ मूल्य की बिक्री की/ सेवाएं प्रदान की। सरकारी क्षेत्रों को इन 118 सीपीएसईज की बिक्री की समग्र प्रतिशतता, उनकी कुल निवल बिक्रियों के संदर्भ में 24.16 *प्रतिशत* तक निकाली गई।

80 सीपीएसईज थे जिन्होंने ₹ 1.58.812 करोड़ मूल्य का माल निर्यात किया अथवा विदेश में सेवाएं प्रदान की। यह उनकी ₹ 10,92,643 करोड़ की निवल बिक्री के प्रति 14.50 *प्रतिशत* परिकल्पित किया गया। 384 सीपीईज द्वारा की गई ₹ 18,24,202 करोड़ की कुल बिक्री के प्रति निर्यात बिक्री राशि 8.70 *प्रतिशत* थी। ₹ 5,000 करोड़ से अधिक निर्यात बिक्री वाली सीपीएसईज तालिका 1.16 में दी गई है:

तालिका 1.16: 2015-16 के दौरान ₹ 5,000 करोड़ से अधिक के निर्यात बिक्री वाली सीपीएसईज

क्रम सं.	सीपीएसई का नाम	निर्यात बिक्री (₹ करोड़ में)
1	स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	32,590
2	रूरल इलैक्ट्रीफीकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड	23,638
3	एयर इंडिया लिमिटेड	20,217
4	द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	14,960
5	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	9,711
6	युनाईडिट इंडिया इंश्योरेंश कंपनी लिमिटेड	9,510
जोड़		**1,10,626**

इन छः सीपीएसईज की निर्यात बिक्री सभी सीपीएसईज के कुल निर्यात का 69.60 *प्रतिशत* है।

1.5.3 अनुसंधान एवं विकास

निरन्तर वृद्धि के लिए विद्यमान उत्पादों को प्रोन्नत करने तथा नए उत्पाद, प्रक्रियाएं आदि विकसित करने के लिए प्रत्येक संगठन को अनुसंधान तथा विकास कार्यों को करना पड़ता हैं। वर्ष

2015-16 के दौरान, 51 सीपीएसईज़ ने अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर ₹ 4,806 करोड़ व्यय किए थे। सीपीएसईज़ जिन्होंने ₹ 500 करोड़ से अधिक के आर एंड डी व्यय किए थे, को तालिका 1.17 में दिया गया है:

तालिका 1.17: ₹ 500 करोड़ से अधिक के आर एंड डी व्यय वाले सीपीएसईज

क्र.सं.	सीपीएसई का नाम	कुल आर एंड डी व्यय (₹ करोड़ में)	निवल लाभ (₹ करोड़ में)	निवल लाभ के प्रति आर एंड डी व्यय की प्रतिशतता
1	हिन्दुस्तान एरोनोटिकल्स लिमिटेड	1,182	1,654	71.5
2	गेल (इंडिया) लिमिटेड	735	2,299	32
3	भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	704	1,358	51.8
4	इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड	597	10,399	5.7
5	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन लिमिटेड	564	16,004	3.5